13 राजस्थान में मध्यकालीन प्रशासन व सामंती व्यवस्था

1. निम्नलिखित में से असत्य कथन नहीं है?
(1) एक राजा का दूसरे राजा के साथ किया जाने वाला पत्र व्यवहार रूक्का कहलाता था।
(2) बादशाह की मौजूदगी में शहजादे द्वारा जारी किया गया शाही आदेश– मन्सूर कहलाता था।
(3) मुगल बादशाह द्वारा अपने अधीनस्थ को जागीर प्रदान करने की लिखित स्वीकृति वाक्य कहलाती थी।
(4) राजा द्वारा अपने अधीनस्थ को जारी किया जाने वाला आदेश फरमान कहलाता था। (2)

व्याख्या– एक राजा का दूसरे राजा के साथ किया जाने वाला पत्र व्यवहार खरीता कहलाता था। मुगल बादशाह द्वारा अपने अधीनस्थ को जागीर प्रदान करने की लिखित स्वीकृति सनद कहलाती थी। राजा द्वारा अपने अधीनस्थ को जारी किया जाने वाला आदेश परवाना कहलाता था।

2. मध्यकालीन शासन व्यवस्था में मारवाड़ में बापीदार व गैर–बापीदार किसके प्रकार थे?
(1) सामन्तों के (2) जागीरदारों के
(3) कास्तकारों के (4) घुड़सवारों के (3)

3. उच्च वर्ग के लोगों या विद्वानों को राजस्व मुक्त भूमि अनुदान के रूप में दी जाती थी, यह भूमि क्या कहलाती थी?
(1) माफी (2) जीविका
(3) जूनी जागीर (4) मदद–ए–माश (4)

व्याख्या– मुगल साम्राज्य में 'मदद–ए–माश' को 'सयूरगल' भूमि भी कहा जाता था।

4. रानियों और राजा के निकट संबंधियों को अपनी जीविका चलाने हेतु व उनके सम्मान को बनाए रखने के लिए दी गई भूमि क्या कहलाती थी?
(1) मदद–ए–न्याश (2) भोम
(3) सासण (4) जीविका (4)

5. मुगल दरबार में राजा द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, जो वहाँ की गतिविधियों से निरंतर राजा को अवगत करवाता रहता था वह क्या कहलाता था?
(1) खुफिया नवीस (2) वकील
(3) हाकिम खैरात (4) पोतदार (2)

व्याख्या– पड़ोसी राज्यों के साथ कूटनीतिक संबंध बनाये रखने के लिए वकील की नियुक्ति की जाती थी।

6. निम्नलिखित में से असत्य विकल्प का चयन करें।
(1) अमात्य– मुख्यमंत्री
(2) बंदीपति– मुख्य भाट
(3) भीषगाधिराज– प्रधानमंत्री
(4) संधिविग्रहिक– संधि और युद्ध का मंत्री (3)

व्याख्या– भीषगाधिराज–मुख्य वैद्य ।

7. राजपूत सेना में पैदल सैनिक अधिक होते थे, इनके दल को क्या कहा जाता था?
(1) अहदी (2) प्यादे
(3) भाकसी (4) शरीअत (2)

8. दीवान के पद पर सामान्यतः गैर राजपूत जाति के व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता था। दीवान को निम्न में से किस पदाधिकारी को नियुक्त करने का अधिकार प्राप्त नहीं था?
(1) कोतवाल (2) आमिल
(3) पोतदार (4) फौजदार (3)

व्याख्या– दीवान को आमिल, कोतवाल, अमीन, दरोगा मुशरिफ, वाकयानवीस व फौजदार आदि पदाधिकारी को नियुक्त करने का अधिकार था।

9. न्याय व्यवस्था के बारे में विचार करें?
(i) न्याय और दण्ड का आधार प्राचीन धर्मशास्त्र थे।
(ii) प्राचीन साहित्यिक स्त्रोतों 'वृहत्कथा कोष व समराइच्छकहा' से भी न्याय व्यवस्था का वर्णन मिलता है।
(iii) शासन की सबसे छोटी इकाई गाँव था, जहाँ न्याय का अधिकारी ग्राम चौधरी या पटेल हुआ करता था।
(iv) परगनों में न्याय का कार्य, हाकिम या आमिल या हवलगिर करता था।
सही कूट का चयन कर उत्तर दीजिए–
(1) i, ii व iv (2) इनमें से कोई नहीं
(3) i, ii, iii व iv (4) i, ii व iii (3)

10. निम्नलिखित में से असत्य विकल्प का चयन करें।
(1) प्रत्येक किसान के परिवार के प्रत्येक सदस्य से 1 रु. की दर से वसूला जाने वाला कर अंगा कर या अंग लाग कहलाता था।
(2) राज्याभिषेक, जन्मदिन तथा त्योहारों के अवसर पर लगने वाले दरबारों के समय सामन्तों, जागीरदारों, मुत्सद्दी व अधिकारियों द्वारा राजा को दी जाने वाली भेंट 'नजराना' कहलाती थी।
(3) पशुओं की बिक्री पर लिया जाने वाला कर लाटा कहलाता था।
(4) खेत में खड़ी फसल का अनुमान लगाकर भूस्वामी अपना हिस्सा तय कर देते थे, जिसे कूंता कहते थे। (3)

व्याख्या– पशुओं की बिक्री पर लिया जाने वाला कर सिंगोटी कहलाता था।

11. भूमि के उर्वरा व पैदावार के आधार पर जब बीघे पर लगे कर से राजस्व वसूल होता था, तब मारवाड़ व बीकानेर में इसे क्या कहा जाता था?
(1) बीघोड़ी (2) खेतबंटाई
(3) लंक बंटाई (4) गल्ला बक्शी (1)

12. सेना का दूसरा प्रमुख अंग घुड़सवार था, किस राज्य में घुड़सवार सेना माधव रिसाला और राज्य रिसाला में विभाजित थी?
(1) कोटा (2) बीकानेर
(3) जोधपुर (4) जयपुर (1)

Dhindhwal Publication

13. निम्नलिखित में से ग्राम प्रशासन के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है?
(1) ग्राम पंचायत ग्रामों ने न्याय, झगड़े निपटाना, धार्मिक व सामाजिक कार्य करवाती थी।
(2) जाति सम्बन्धी समस्याओं का समाधान जाति पंचायत द्वारा किया जाता था।
(3) गांव में प्रशासनिक स्तर पर स्थायी रूप में स्थानीय अधिकारी 'पटवारी' होता था।
(4) पंचायतों के निर्णय की अपील परगना पदाधिकारी, दीवान व शासक के पास की जा सकती थी। (3)

व्याख्या– गांव में प्रशासनिक स्तर पर स्थायी रूप में स्थानीय अधिकारी 'चौधरी या पटेल' होता था।

14. बख्शी के बारे में निम्न कथनों पर विचार करें।
(i) दीवान के बाद दूसरा महत्वपूर्ण पदाधिकारी बख्शी होता था, जो प्रधानत: सेना विभाग का अध्यक्ष होता था।
(ii) जयपुर में बख्शी को 'बख्शी देश, बख्शी परगना और बख्शी जागीर सहायता करते थे।
(iii) जोधपुर राज्य में इसे 'मौज बख्शी' भी कहते थे।
(iv) मारवाड़ में महाराजा बखतसिंह के काल में सर्वप्रथम 'प्याद बख्शी' नामक एक नवीन पद का सर्जन किया गया।
सही विकल्प का चयन करें।
(1) i, ii व iv (2) i, ii, iii व iv
(3) i, iii व iv (4) iii व iv (1)

व्याख्या– जोधपुर राज्य में इसे 'फौज बख्शी' कहा जाता था।

15. जोधपुर राज्य में विधवा के पुनर्विवाह पर प्रति विवाह 1 रु. की दर से कर लिया जाता था, जिसे 'कागली या नाता' कहा जाता था इसी प्रकार का कर जयपुर राज्य में क्या कहलाता था?
(1) छेली राशि (2) नाता कागली
(3) नाता बराड़ (4) नाता (1)

व्याख्या– कागली या नाता कर को मेवाड़ में 'नाता बराड़', कोटा राज्य में 'नाता कागली' व बीकानेर राज्य में 'नाता' कहा जाता था।

16. निम्नलिखित में से असंगत कथन की पहचान करें।
(1) पटेल, कानूनगो, तहसीलदार, पटवारी आदि जो किसान से अवैध रकम वसुलते थे, उसे दस्तुर कहते थे
(2) राम–राम लाग या मुजरा लाग जिसे प्रति व्यक्ति 1 रुपया लिया जाता था।
(3) किसान के घर कन्या की शादी होने पर जागीरदार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता 'बदोले री लाग' कहलाता है।
(4) श्रमजीवी जातियों जैसे मोची, धोबी, छीपा व कुम्हार आदि से वसूला जाने वाला कर खरड़ा लाग कहलाता था। (3)

व्याख्या– जागीरदार के घर पर विवाह होने पर जागीर क्षेत्र से वसूल की जाने वाली लाग बंदोले री लाग/कर कहलाती थी।

17. किस राज्य में लूट–खसोट से राज्य को बचाने के लिए नए सैनिक दायित्वों की पूर्ति हेतु रूखवाली भाछ लागू की गई थी?
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) बीकानेर (4) कोटा (3)

18. निम्न में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है–

इकाई	अधिकारी
(1) ग्राम	– ग्रामिक
(2) मण्डल	– मण्डलिक
(3) दुर्ग	– दुर्गाधिपति
(4) परगना	– हाकिम (2)

व्याख्या– मण्डल के अधिकारी को मण्डलपति कहा जाता था।

19. परगने में कोई बड़ा अपराध या संगीन डकैती होने पर फौजदार और कभी–कभी ठाकुर स्वयं सवारों के साथ डाकुओं के विरूद्ध अभियान पर जाते थे। इस अभियान को मारवाड़ में क्या कहते थे।
(1) फौजदार (2) पोतदार
(3) बाहर चढ़ना (4) हवालगिर (3)

20. हवाला, जागीर, भौम, सासण किसके प्रकार है?
(1) भूमि (2) सेना
(3) घुड़सवार (4) धर्म व दान संबंधि विभाग (1)

21. बीकानेर राज्य में सीमा शुल्क, आयात–निर्यात तथा चुंगी कर को सामूहिक रूप से किस नाम से जाना जाता था?
(1) नियोत (2) राहदारी
(3) बारूता (4) जकात (4)

व्याख्या– जयपुर तथा जोधपुर राज्यों में इसे 'सायर' कर कहा जाता था।

22. मारवाड़ में अजीतसिंह द्वारा कौनसा एक नया कर लिया जाने लगाथा?
(1) भरतु रेख (2) तागीरात
(3) पट्टा रेख (4) तलवार बंधाई (2)

23. बंटाई प्रथा में राजस्व का निर्धारण तीन प्रकार से होता था, उन तीनों प्रकारों के नाम बताइए?
(1) खेत बंटाई, घर बंटाई, रास बंटाई
(2) खेत बंटाई, रास बंटाई, बीघा बंटाई
(3) खेत बंटाई, लंक बंटाई, रास बंटाई
(4) रास बंटाई, लंक बंटाई, बीघा बंटाई (3)

24. भू–राजस्व में राज्य का भाग निश्चित करने वाला अधिकारी किस नाम से जाना जाता था?
(1) अमीन (2) आमिल
(3) चौधरी या पटेल (4) सहणा (4)

25. राजा द्वारा ब्राह्मणों, चारणों, भाटों, व संन्यासियों को दान में दी गई भूमि क्या कहलाती थी?
(1) सासण (2) माफी
(3) जीविका (4) भोम (2)

26. अधिकारियों के खाने–पीने के खर्च के लिए कौनसा कर लिया जाता था?
(1) हुजदार (2) सिराणा
(3) दस्तूर (4) खूंटा (2)

27. किसके द्वारा परगने की रिपोर्ट राज्य के दीवान के पास भेजी जाती थी।
(1) पोतदार (2) खुफिया नवीस
(3) हाकीम (4) अमीन (2)

28. सुमेलित कीजिए–

(i) ठकुराईन द्वारा नया चूड़ा पहनने पर किसानों से वसूला जाने वाला कर	(A) पावणा लाग
(ii) खेती पर किसानों से प्रति हल वसूल की जाने वाली लाग	(B) चूड़ालाग
(iii) जागीरदार द्वारा अपने महमानों पर होने वाले खर्च को गाँव के किसानों से वसूलना	(C) जाजम लाग
(iv) भूमि के विक्रय पर वसूली जाने वाली लाग	(D)हल लाग

सत्य कूट का चयन करें–

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	i	ii	iv	iii
(3)	ii	i	iv	iii
(4)	ii	iv	i	iii

(4)

29. बीकानेर शासक गंगासिंह ने ऊँटों की सेना तैयार कर उसे क्या नाम दिया था, यह सेना दल अपने राज्य से बाहर अंग्रेजों की सहायतार्थ जाता रहता था?
(1) माधव रिसाला (2) राज्य रिसाला
(3) गंगा रिसाला (4) बीकानेर रिसाला (3)

30. 'खास रूक्का' एक प्रकार का बुलावा पत्र होता था, किस श्रेणी के सामंतों को दरबार में उपस्थित होने के लिए यह पत्र भेजा जाता था?
(1) प्रथम श्रेणी (2) द्वितीय श्रेणी
(3) सामान्य सामंतों (4) तृतीय श्रेणी (1)

31. सामंतों से वार्षिक उपज का अनुमान, जिसे 'रेख' कहते थे, कर लिया जाता था इसे मारवाड़ में किस नाम से जाना जाता था?
(1) पट्टा रेख (2) भरतु रेख
(3) 1 व 2 दोनों (4) इनमें से कोई नहीं (3)

32. मध्यकालीन राजस्थान के राज्यों में शासक के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण अधिकारी माना जाता था?
(1) अमात्य के रूप में।
(2) मुख्यमंत्री के रूप में।
(3) प्रधान के रूप में ।
(4) संधिविग्रह के रूप में । (3)

33. गन्ना, कपास, अफीम व नील आदि नगदी फसलों पर प्रति बीघा की दर से राजस्व का निर्धारण तथा वसूली को क्या कहा जाता था?
(1) मुकाता (2) बंटाई
(3) जब्ती (4) भाओली (3)

34. राजा व जागीरदारों द्वारा काश्तकारों को पट्टे दे दिए जाते थे, इसका विवरण एक राजकीय रजिस्टर में रखा जाता था, इसे क्या कहते थे?
(1) तजकीरा (2) छूट के कागद
(3) दाखला (4) मिशल बंदोबस्त (3)

35. जोधपुर में नगर की सुरक्षा व शांति का दायित्व शिकदार का होता था कालान्तर में शिकदार का पद किस नाम से जाना जाता था?
(1) कोतवाल (2) देश दीवान
(3) नगर अध्यक्ष (4) पाकाध्यक्ष (1)

36. बीकानेर में महाराजा सुजानसिंह के काल में शिकदार कौन था जो बहुत प्रभावशाली शिकदार हुआ करता था?
(1) रावजी सुमेरसिंह (2) खवास आनन्दराम
(3) बलवंत सिंह (4) अमर सिंह (2)

37. 'फौजदार' के बारे में कौनसा कथन सत्य नहीं है?
(1) राज्य में यह दूसरा सर्वोच्च अधिकारी होता था, जो पुलिस और सेना का प्रमुख होता था
(2) प्रत्येक मौजे में एक फौजदार की नियुक्ति की जाती थी
(3) इसके नीचे कई थानों के थानेदार होते थे जो चोर, डाकुओं पर निगरानी रखते थे
(4) इसका अन्य कार्य अमल गुजार, अमीन तथा आमील को राजस्व वसूली में सहायता देना था (2)

व्याख्या– फौजदार परगने का अधिकारी होता था।

38. राजपूताना में सेना मुख्यतः दो भागों में बंटी होती थी, एक राजा की सेना थी, जो 'अहदी' कहलाती थी जबकि सामंतों की सेना क्या कहलाती थी?
(1) दाखिली (2) जमीयत
(3) अहशमा (4) सहबंदी (2)

39. भरतु रेख से तात्पर्य था?
(1) राज द्वारा निर्धारित राजस्व की अनुमानित राशि जिसे सामन्त को राजकीय कोष में जमा कराना होता था।
(2) राजस्व की वास्तविक राशि जिसे सामन्त राजकीय कोष में जमा करता था।
(3) शाही परिवार में किसी के भी विवाह के अवसर पर सामन्त द्वारा दी जाने वाली राशि।
(4) जब किसी सामन्त की मृत्यु हो जाती थी तो अपनी जागीर की मान्यता हेतु राजा को दी जाने वाली भेंट की राशि। (2)

40. जयपुर राज्य में प्रधानमंत्री के लिए किस शब्द का प्रयोग किया जाता था?
(1) दीवान (2) फौजदा
(3) मुसाहिब (4) कोतवाल (3)

व्याख्या– कोटा राज्य में प्रधानमंत्री को फौजदार या दीवान के नाम संबोधित करते थे।

Dhindhwal Publication